Self Respect

31-05-2014

✓डबल ओम् शान्ति भी कह सकते हैं | बच्चे भी जानते हैं और बापदादा भी जानते हैं | ओम् शान्ति का अर्थ है मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ | और बरोबर शान्ति के सागर, सुख के सागर, पवित्रता के सागर बाप की सन्तान हूँ | पहले-पहले है पवित्रता का सागर |

✓तो जैसे बाप की आत्मा को समझा जाता है, वैसे आत्माओं (बच्चों) को भी समझना होता है | यह रत्न हैं ना | रत्न भी सब नमस्ते लायक हैं | मोती, माणिक, पुखराज आदि सब नमस्ते लायक हैं इसलिए सब वैराइटी डाले जाते हैं | नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार तो हैं ना |

✓तुम तो हो ही चैतन्य रत्न | तो हर एक को अपने को देखना है – हम कहाँ तक सब्ज परी, नीलम परी बने हैं |

✓हर एक को तीसरा नेत्र मिला है | उनसे अपनी जाँच करनी है | कहाँ तक मैं बाप की याद में रहता हूँ? कहाँ तक मेरी याद बाप को पहुँचती है? उनकी याद में यह रोमांच एकदम खड़े हो जाने चाहिए |

✓अपनी जांच करनी है | फ्लो आदि अभी तुम निकाल सकते हो | एकदम प्योर डायमण्ड बनना है | अगर थोडा भी डिफेक्ट होगा तो समझ जायेंगे, हमारी वैल्यु भी कम होगी | रत्न हैं ना | बाप तो समझाते हैं – बच्चे एवर प्योर वैल्युबुल हीरा बनना चाहिए |

✓हम स्टूडेन्ट हैं, किसके? भगवान् के | जानते हैं वह इस दादा द्वारा पढ़ाते हैं | तो कितनी ख़ुशी होनी चाहिए | बाबा हमको कितना प्यार करते हैं, कितना मीठा है, तकलीफ़ तो कोई देते नहीं | सिर्फ़ कहते हैं इस चक्र को याद करो |

✓दैवीगुणों की एम ऑब्जेक्ट है | तुम दैवीगुण धारण कर इन जैसा पवित्र बनते हो तब ही माला में पिरोये जाते हो | बेहद का बाबा हमको पढ़ाते हैं | ख़ुशी होती है ना | बाबा ज़रूर आपसमान प्योर नॉलेजफुल बनायेंगे | इसमें पवित्रता, सुख, शान्ति सब आ जाती है |

✓तुम हो ईश्वरीय मिशन | तुमको सबका उद्धार करना है |

✓अनेक जन्मों की कट लगी हुई है, यह ख्यालात तुम ब्राह्मणों को रखने हैं | सभी आत्माओं को पावन बनाना है | मनुष्य तो नहीं जानते, यह तुम जानते हो सो भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार |

✓बाबा है ही लवली, बच्चों को बहुत कशिश करते हैं | दिन-प्रतिदिन जितना पवित्र बनते जायेंगे तुमको बहुत कशिश होगी | बाबा में बहुत कशिश होगी | इतना खींचेंगे जो तुम ठहर ही नहीं सकेंगे | तुम्हारी अवस्था नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार ऐसी आ जायेगी | यहाँ बाप को देखते रहेंगे तो बस समझेंगे अभी जाकर बाबा से मिलें | ऐसे बाबा से फिर कभी बिछड़ेंगे नहीं | बाप को फिर कशिश होती है बच्चों की | इस बच्चे की तो कमाल है | बड़ी अच्छी सर्विस करते हैं |

✓परमात्म कार्य में सहयोगी बन सर्व का सहयोग प्राप्त करने वाले सफ़लता स्वरूप भव

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |